आंकलन का अर्थ (Meaning of Assessment)

आंकलन बच्चों की प्रगति के बारे में जानकारियों का एकत्रीकरण व विश्लेषण करने का साधन है। आंकलन दर्शाता है कि बच्चे क्या जानते है, क्या समझते है, क्या कर पाते है और विकास की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में कैसा अनुभव करते हैं। बच्चे की आयु के अनुसार सीखने के विकास के सभी पहलुओं को मापने एवं हर बच्चे के विकास की क्रमिक जानकारी उपलब्ध हो सके तथा अभिभावकों को बच्चे के विकास से अवगत कराया जा सके इसके लिए बच्चों की प्रगति का आंकलन शिक्षक करते है ताकि वे अपने सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में निरन्तर सुधार कर सके।

बच्चों की प्रगति तथा उचित विकास के लिए वातावरण बनाने के बाद जरुरी है कि उनके क्रमिक विकास का नियमित रुप से अवलोकन किया जाए। यह अवलोकन तथा निगरानी इस तरह होना चाहिए कि बच्चों को यह एहसास भी ना पाए कि उसका अवलोकन या निगरानी की जा रही है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका यह हो सकता है बच्चों द्वारा माह भर में की जाने वाली गतिविधियों का शिक्षक द्वारा नियमित अवलोकन किया जाय

Scanned with CamScanner

पर्यावरण अध्ययन के सन्दर्भ में विद्यार्थियों का बहुआयामी आंकलन

किसी भी तरीके को चुनने से पहले प्राप्त की जाने वाली सूचनाओं के लिए आकलन के प्रकार का निर्धारण आवश्यक है। आकलन करने के चार मूलभूत तरीके हैं —

1. **व्यक्तिगत आंकलन** ⇒
इसमें एक बच्चे को केन्द्र में रखकर रखते हुए आंकलन किया जाता है जब वह कोई गतिविधि या कार्य करता है।

2. **सामूहिक आंकलन** ⇒
किसी कार्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से कार्य करते समय तथा सीखने एवं प्रगति का आंकलन करना सामूहिक आकलन कहलाता है। आकलन का यह तरीका बच्चों के सामूहिक कौशलों, सहयोग द्वारा सीखने की प्रक्रिया तथा बच्चों के व्यवहार से सम्बन्धित अन्य मूल्यों के आकलन के लिए उपयुक्त होता है।

3. **स्व - आंकलन** ⇒
जब बच्चे द्वारा स्वयं के सीखने तथा ज्ञान, कौशल प्रक्रियाओं, रुचि, व्यवहार आदि में प्रगति, स्व- आकलन होता है।

4. **सहपाठियों द्वारा आंकलन** ⇒
एक बच्चे द्वारा दूसरे बच्चे का आंकलन इसे दो बच्चों की जोड़ी में कराया जाता है।

सभी विद्यालयों में अध्यापकों द्वारा तैयार किये गये उपकरणों/तकनीकों के इस्तेमाल का ही प्रचलन है। इसमे पेपर - पेंसिल टेस्ट/कार्यकलाप, लिखित और मौखिक परीक्षाएँ, तस्वीर आधारित सवाल, कृत्रिम कार्यकलाप और विद्यार्थियों के साथ वार्तालाप/संवाद शामिल है। अध्यापकों द्वारा बच्चों के सीखने की प्रगति का आकलन करने के लिए छोटे-छोटे क्लास टेस्ट का इस्तेमाल एक आसान एवं शीघ्रगामी तरीका है।

Scanned with CamScanner